

ओमसियोर कटि

हाल ही में [भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद](#) (ICMR) ने SARS-CoV-2 कोरोनावायरस के ओमिक्रॉन वेरिएंट का पता लगाने के लिये ओमसियोर नाम की एक 'मेड-इन-इंडिया' परीक्षण कटि को मंजूरी दी है।

- वर्तमान में देश में ओमिक्रॉन का पता लगाने के लिये उपयोग की जाने वाली कटि को अमेरिका स्थित वैज्ञानिक उपकरण कंपनी थर्मो फिशर द्वारा विकसित किया गया है।
- इसके अलावा [वैश्व स्वास्थ्य संगठन \(डब्ल्यूएचओ\)](#) ने प्रयोगशाला क्षमताओं को मजबूत करने के लिये कुछ उपायों का प्रस्ताव दिया है, जिसमें कोविड -19 निदान उपकरणों तक पहुँच में असमानताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

प्रमुख बटु

- ओमसियोर:**
 - यह आरटी-पीसीआर कटि 'टाटा मेडिकल एंड डायग्नोस्टिक्स' द्वारा निर्मित की गई है।
 - यह 'S-जीन टारगेट फेजर' (एसजीटीएफ) रणनीति का उपयोग करती है।
 - वर्तमान में जीनोम अनुक्रमण के बाद ही ओमिक्रॉन रोगियों का पता लगाया जाता है।
 - ओमसियोर टेस्ट कटि इस प्रक्रिया को खत्म करने में मदद करती है और आरटी-पीसीआर परीक्षणों के दौरान नासॉफरिनिजियल/ओरोफरीनजियल नमूनों में SARS-CoV2 के ओमिक्रॉन वेरिएंट का पता लगाती है।
 - ओमिक्रॉन वेरिएंट के एस-जीन (S-gene) में कई उत्परिवर्तन देखे जाते हैं। एसजीटीएफ रणनीति (SGTF strategy) कोविड पोजिटिवि पाए जाने वाले रोगियों की जाँच करती है एवं इसके लक्षणों को इंगित करती है।
 - 'एस' जीन, ओआरएफ, 'एन' जीन, आरडीआरपी, 'ई' जीन वायरल जीन हैं जिनमें कोविड-19 वायरस का पता लगाने हेतु लक्षित किया जाता है।
- WHO का प्रस्ताव:**
 - जीनोमिक्स कंसोर्टियम:** WHO दक्षिण पूर्व एशिया में SARS-CoV-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम स्थापित करने का प्रस्ताव कर रहा है।
 - महामारियों के लिये SARS-CoV-2 वायरल खतरों का पता लगाने और निगरानी हेतु एक मजबूत क्षेत्रीय प्रणाली विकसित करने के लिये कंसोर्टियम जीनोमिक अनुक्रमण और निगरानी को बढ़ाने में मदद करेगा।
 - जीनोम सीक्वेंसिंग:** WHO द्वारा [जीनोम अनुक्रमण/जीनोम सीक्वेंसिंग \(Genome Sequencing\)](#) को बढ़ाने हेतु आह्वान किया गया था।
 - यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी निर्णय लेते समय जीनोमिक डेटा के समय पर उपयोग में सुधार करने और भविष्य के प्रकोप / महामारी के लिये तैयारियों और प्रतिक्रिया को मजबूत करने में भी मदद करेगा।
 - प्रमुख बाधाओं को संबोधित करना:** निरंतर दीर्घकालिक परीक्षण और अनुक्रमण क्षमताओं के लिये सीमाति प्रशिक्षित कार्यबल तथा अन्य संसाधनों जैसी प्रमुख बाधाओं की जाँच करने की आवश्यकता है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR)

- ICMR जैव चिकित्सा अनुसंधान के निर्माण, समन्वय एवं संवर्द्धन के लिये भारत का शीर्ष निकाय है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1911 में [इंडियन रिसर्च फंड एसोसिएशन \(IRFA\)](#) के नाम से हुई थी और वर्ष 1949 में इसका नाम बदलकर ICMR कर दिया गया।
- यह भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के माध्यम से वित्तपोषित है।

?????: ? ?????

